ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 03-02-2025

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-02-03 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-02-04	2025-02-05	2025-02-06	2025-02-07	2025-02-08
वर्षा (मिमी)	0.2	0.1	0.1	0.1	0.1
अधिकतम तापमान(से.)	26.7	26.4	24.7	24.4	25.4
न्यूनतम तापमान(से.)	15.1	15.0	13.7	13.1	12.6
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	52	53	56	39	23
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	18	18	14	14	9
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	4	11	10	6
पवन दिशा (डिग्री)	45	191	27	45	48
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	1	0	1	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहने की संभावना। अधिकतम तापमान 25.0 से 26.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 11.0 से 12.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना। हवा की गति 8-12 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहने की संभावना। अधिकतम तापमान 25.0 से 26.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 11.0 से 12.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना। हवा की गति 8-12 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

लघु संदेश सलाहकार:

किसान भाई गेहूं की फसल मे दीमक के नियंत्रण हेतु क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी 4 लीटर प्रति हैक्टेयर सिंचाई के साथ दें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	किसान भाई सरसों की फसल में दाना पकते समय बुवाई के 90 दिन बाद सिंचाई करें। फसल में एफिड के कीट के नियंत्रण के लिए मैलाथियान 50 ईसी. सवा लीटर या डाइमिथेएट 30 ईसी. 875 मिली लीटर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।
गेहूँ	किसान भाई गेहूं की फसल में क्रांतिक अवस्थाओं जैसे बालियां निकलते समय व दाने की दूधिया अवस्था पर सिंचाई अवश्य करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
जीरा	बादल छाएं रहने के कारण जीरा की फसल झुलसा रोग की आशंका रहती है। अतः रोग की रोकथाम के लिए मैन्कोजेब 2 ग्राम का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
मेंथी	मैथी में मोयला कीट का प्रकोप दिखाई देने पर थायोमिथोक्जाम 25 डब्ल्यू.जी. 0.3 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेड़	इस समय भेड व बकरी में माता एंव कन्टेजियस एक्थाईमा (ORF) की सम्भावना भी अधिक रहती है। यदि भेड व बकरी में माता रोग से बचाने के टीके नहीं लगवाएं है तो टीकाकरण करवा लें।